महाराणा प्रताप महाविद्यालय
28/12/2023
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

SAN 301

B.A. Vth SEMESTER EXAMINATION, 2023-24

संस्कृत

(वैदिक वाङ्मय)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : _____

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

1737

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures)

अनुक्रमांक (शब्दों में) : _____

Roll No. (In Words) : _____

Time : 1:30 Hrs.
समय : 1:30 घण्टे

Max. Marks : 75
अधिकतम अंक : 75

नोट : पुस्तिका में 50 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.

2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।

2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

1. वेद का व्युत्पत्तिगत अर्थ है–

(A) विद् ज्ञाने + घञ्

(B) विद् माने + घञ्

(C) विदु + अण्

(D) विद् ज्ञाने + अण्

2. ऋग्वेद में अष्टक हैं–

(A) 06

(B) 08

(C) 10

(D) 12

3. ऋग्वेद में मण्डल हैं–

(A) 05

(B) 07

(C) 10

(D) 12

4. होता उच्चारण करता है–

(A) सामों की

(B) ऋचाओं की

(C) यजुषों की

(D) श्लोकों की

Scanned with OKEN Scanner

5. यजुर्वेद का ऋत्विज् है–

(A) होता

(B) उद्‌ग्मता

(C) अध्वर्यु

(D) ब्रह्मा

6. इस वेद क मन्त्र गेय हैं–

(A) सामवेद

(B) ऋग्वेद

(C) यजुर्वेद

(D) अथर्ववेद

7. ऋग्वेद संहिता की सम्प्रति उपलब्ध शाखा है–

(A) बाष्कल

(B) शाकल

(C) माण्डूकायन

(D) आश्वलायन

8. अक्षरों की संख्या निश्चित नहीं होती है–

(A) ऋचा में

(B) साम में

(C) गायत्री में

(D) यजुष् में

Scanned with OKEN Scanner

9. ऐतरेय ब्राह्मण का सम्बन्ध है–

(A) अथर्ववेद से

(B) सामवेद से

(C) यजुर्वेद से

(D) ऋग्वेद से

10. वेदाङ्ग हैं–

(A) 04

(B) 05

(C) 06

(D) 08.

11. यजुर्वेद में अध्याय हैं–

(A) 20

(B) 30

(C) 40

(D) 50

12. शुक्ल यजुर्वेद का 34वाँ अध्याय है–

(A) हिरण्यगर्भ सूक्त

(B) वाक् सूक्त

(C) शिव संकल्प सूक्त

(D) पुरूष सूक्त

Scanned with OKEN Scanner

13. सामवेद के भाग हैं–

(A) आर्चिक तथा गान

(B) शुक्ल तथा कृष्ण

(C) कठ तथा कपिष्ठल

(D) मुण्डक तथा माण्डूक्य

14. अथर्ववेद की शाखा है–

(A) शाकल

(B) पिप्पलाद

(C) कठ

(D) तैत्तिरीय

15. कौषीतकि ब्रह्मण का अन्य नाम है–

(A) शांखायन

(B) माण्डूकायन

(C) ऐतरेय

(D) गोपथ

16. अथर्ववेदीय ब्राह्मण है–

(A) गोपथ

(B) ऐतरेय

(C) छान्दोग्य

(D) तैत्तिरीय

Scanned with OKEN Scanner

17. तवल्कार आरण्यक है–

(A) ऋग्वेद का

(B) यजुर्वेद का

(C) सामवेद का

(D) अथर्ववेद का

18. उपनिषदों की प्रामाणिक संख्या है–

(A) 10

(B) 20

(C) 30

(D) 50

19. वैदिक छन्दों में नहीं गिना जाता है–

(A) गायत्री

(B) उष्णिक

(C) अनुष्टुप

(D) आर्या

20. वेद पुरूष का नेत्र है–

(A) निरूक्त

(B) छन्द

(C) ज्योतिष

(D) कल्प

Scanned with OKEN Scanner

21. रत्नधातमम् है–

(A) विष्णु

(B) इन्द्र

(C) अग्नि

(D) वाक्

22. अग्निसूक्त का ऋषि है–

(A) मधुच्छन्दा

(B) रूपच्छन्दा

(C) कटुच्छन्दा

(D) दुर्वासा

23. विष्णु सूक्त का क्रम है–

(A) 1/10

(B) 1/154

(C) 10/154

(D) 10/121

24. विष्णु सूक्त में 'कुचरः' से तात्पर्य है–

(A) सर्वत्र भ्रमण करने वाला

(B) कहीं भ्रमण करने वाला

(C) सर्वत्र चरने वाला

(D) सुन्दर चारागाह

Scanned with OKEN Scanner

25. पुरूष सूक्त का ऋषि है–

(A) विश्वामित्र

(B) नारायण

(C) मधुच्छन्दा

(D) दीर्घतम्य

26. हिरण्यगर्भ सूक्त के देवता है–

(A) 'क' संज्ञक प्रजापति

(B) 'ख' संज्ञक प्रजापति

(C) 'ग' संज्ञक प्रजापति

(D) 'ह' संज्ञक प्रजापति

27. आत्मदा, बलदा है–

(A) पुरूष

(B) विष्णु

(C) इन्द्र

(D) हिरण्यगर्भ

28. वाक् सूक्त की देवता है–

(A) वाक्

(B) परमात्मा

(C) परमेष्ठी

(D) प्रजापति

Scanned with OKEN Scanner

29. शिवसंकल्प सूक्त का देव है–

(A) मन

(B) बुद्धि

(C) वाणी

(D) जिह्वा

30. शिवसंकल्प सूक्त में प्रयुक्त छन्द है–.

(A) गायत्री

(B) उष्णिक्

(C) त्रिष्टुप

(D) अनुष्टुब

31. ग्राम के मध्य में जल और सुरा का कुम्भ गिराने की चर्चा है–

(A) वाक् सूक्त में

(B) पृथ्वी सूक्त में

(C) अक्ष सूक्त में

(D) सामनस्य सूक्त में

32. शिवसंकल्प सूक्तका ऋषि है–

(A) विश्वामित्र

(B) याज्ञवल्क्य

(C) गौतम

(D) दीर्घायु

Scanned with OKEN Scanner

33. भूत, वर्तमान और भविष्य के सभी पदार्थों का ज्ञान होता है–

(A) बुद्धि द्वारा

(B) चित्त द्वारा

(C) मन द्वारा

(D) कर्म द्वारा

34. भूत और भविष्य में उत्पन्न होने वाले पदार्थों की पत्नी है–

(A) पृथिवी

(B) वाक्

(C) उषा

(D) सोमा

35. 'अग्नि' है–

(A) द्युलोक स्थानीय

(B) अन्तरिक्ष स्थानीय

(C) पृथिवी स्थानीय

(D) नाक लोक स्थानीय

36. 'उरूगायः' विशेषण है–

(A) अग्नि का

(B) विष्णु का

(C) इन्द्र का

(D) प्रजापति का

Scanned with OKEN Scanner

37. 'प्रजापति सूक्त' के ऋषि हैं–

(A) हिरण्यगर्भ

(B) नारायण

(C) वसिष्ठ

(D) विश्वामित्र

38. प्रजापति सूक्त की संख्या है–

(A) 10/10

(B) 10/90

(C) 10/121

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

39. 'दाधार' शब्द में धातु एवं लकार है–

(A) √दा + लट्

(B) √धा + लिट्

(C) √धा + लट्

(D) √धृ + लिट्

40. 'पृथिवी सूक्त' वेद में हैं–

(A) ऋग्वेद

(B) यजुर्वेद

(C) सामवेद

(D) अथर्ववेद

Scanned with OKEN Scanner

41. 'वेदांग–ज्योतिष' है–

(A) लगध का

(B) पाणिनि का

(C) कात्यायन का

(D) पतञ्जलि का

42. 'निरूक्त' ग्रन्थ है–

(A) पाणिनी का

(B) यास्क का

(C) लगध का

(D) पाराशर का

43. 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि' का उल्लेख है–

(A) भगवत् गीता में

(B) ऐतरेयोपनिषद् में

(C) छान्दोग्योपनिषद् में

(D) ईशावास्योपनिषद् में

44. ईशावास्योपनिषद् है–

(A) ऋग्वेद से सम्बन्धित

(B) यजुर्वेद से सम्बन्धित

(C) सामवेद से सम्बन्धित

(D) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

Scanned with OKEN Scanner

45. 'त्याग के साथ भोग' शिक्षा है–

(A) 'ईश' की

(B) 'कठ' की

(C) 'केन' की

(D) 'माण्डूक्य' की

46. 'ईशोपनिषद्' में मन्त्र हैं–

(A) 14

(B) 16

(C) 18

(D) 20

47. 'हिरण्यमयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्' से युक्त है–

(A) कठोपनिषद्

(B) ईशावास्योपनिषद्

(C) केनोपनिषद्

(D) माण्डूक्योपनिषद्

48. 'ईश' उपनिषद् के प्रथम मन्त्र में शिक्षा दी गयी है–

(A) सन्यासी के लिए ज्ञाननिष्ठा की

(B) आत्मज्ञान में अशक्त के लिए कर्मनिष्ठा की

(C) ज्ञान के लिए कर्म की

(D) उपर्युक्त सभी की

Scanned with OKEN Scanner

49. 'प्रवोचम्' शब्द बनेगा–

(A) प्र + √उच् से

(B) प्र + √वच् से

(C) प्र + √वोच् से

(D) प्र + √वाच् से

50. 'अधिक्षियन्ति' शब्द में है–

(A) अधि + क्षिय् + लट्, म०पु०, बहु०

(B) अधि + क्षि + लट्, उ०पु०, बहु०

(C) अधि + क्षि + लोट्, उ०पु०, बहु०

(D) अधि + क्षि + लङ, उ०पु०, एक०

*****

Scanned with OKEN Scanner